नव भारत साक्षरता कार्यक्रम

हाल ही में सरकार ने वित्त वर्ष 2022-23 से 2026-27 तक पाँच वर्षों के दौरान 1037.90 करोड़ रुपए के वित्तीय परिव्यय के साथ कार्यान्वयन हेतु एक नई केंद्र प्रायोजित योजना "[नव भारत साक्षरता कार्यक्रम]" **(New India Literacy Programme- NILP)** शुरू किया है।

नव भारत साक्षरता कार्यक्रम:

- **इस योजना के पाँच घटक हैं:**
  - मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान
  - महत्त्वपूर्ण जीवन कौशल
  - व्यावसायिक कौशल विकास
  - बुनियादी शिक्षा
  - शिक्षा जारी रखना
- **लाभार्थियों की पहचान**:
  - लाभार्थियों की पहचान करने के लिये राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में सर्वेक्षकों द्वारा एक मोबाइल एप पर डोर-टू-डोर सर्वेक्षण किया जाता है।
  - गैर-साक्षर व्यक्ति भी मोबाइल एप के माध्यम से सीधे पंजीकरण करा सकते हैं।
- **शिक्षण और सीखने के लिये स्वेच्छा जाहिर करना**:
  - यह योजना मुख्य रूप से शिक्षण और सीखने के लिये स्वयंसेवा पर आधारित है और स्वयंसेवक मोबाइल एप के माध्यम से पंजीकरण कर सकते हैं।
- **प्रौद्योगिकी के माध्यम से कार्यान्वयन:**
  - यह योजना मुख्य रूप से ऑनलाइन मोड के माध्यम से कार्यान्वित की जाती है और प्रौद्योगिकी पर आधारित है।
  - शिक्षण एवं सीखने की सामग्री तथा संसाधन NCERT के **दीक्षा मंच (DIKSHA Platform)** पर उपलब्ध हैं और इन्हें मोबाइल एप के माध्यम से एक्सेस किया जा सकता है।
- **मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान का प्रसार:**
  - बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान के प्रसार के लिये टीवी, रेडियो, सामाजिक चेतना केंद्र आदि जैसे साधनों का भी उपयोग किया जाता है।
- **पात्रता**:
  - 15 वर्ष से अधिक आयु के सभी निरक्षर इस योजना का लाभ प्राप्त करने के पात्र हैं।
- **NILP की आवश्यकता**:
  - वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, 15 वर्ष और उससे अधिक आयु वर्ग में देश के निरक्षरों की समग्र संख्या 25.76 करोड़ (पुरुष 9.08 करोड़, महिला 16.68 करोड़) है।
  - वर्ष 2009-10 से 2017-18 के दौरान कार्यान्वित **साक्षर भारत कार्यक्रम** के तहत साक्षर के रूप में प्रमाणित व्यक्तियों की प्रगति को ध्यान में रखते हुए यह अनुमान लगाया गया है कि **वर्तमान में भारत में लगभग 18.12 करोड़ वयस्क निरक्षर हैं।**

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/new-india-literacy-programme-1